डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर

प्रवीण कुमार
प्रबन्ध निदेशक
Praveen Kumar
Managing Director

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लि.
भारत सरकार (रेल मंत्रालय) का उपक्रम
Dedicated Freight Corridor Corporation of India Ltd.
A Government of India (Ministry of Railways) Enterprise

14.09.2024

हिंदी दिवस संदेश

डीएफसीसीआईएल परिवार के प्रिय साथियो,

हिंदी दिवस के शुभ अवसर आप सभी को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामानाएं।

भारत के संविधान में हिंदी को राजभाषा का गौरवपूर्ण स्थान दिया गया है। संविधान सभा द्वारा 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में चुना गया, इसीलिए 14 सितंबर को प्रत्येक वर्ष हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है और अब 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज से देश भर में राजभाषा हिंदी की हीरक जयंती मनायी जा रही है। डीएफसीसीआईएल के सभी कार्यालयों में भी इस हीरक जयंती वर्ष में राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

भारतीय संविधान की भावना के अनुरूप राजभाषा हिंदी को देश की सामासिक संस्कृति के वाहक के रूप में स्वीकार किए जाने के कारण इसका स्वरूप व्यापक है। राजभाषा में कठिन और कम सुने जाने वाले शब्दों के प्रयोग करने से राजभाषा को अपनाने में हिचकिचाहट बढ़ती है। दूसरी भाषाओं के प्रचलित शब्दों का प्रयोग करने में हिचक नहीं होनी चाहिए। अपनी भाषा में मौलिक लेखन से अभिव्यक्ति बहुत ही सहज और स्वाभाविक होती है, जो अनुवाद की भाषा से कदापि संभव नहीं है।

भाषा मनुष्य के लिए ईश्वर का सर्वोत्तम वरदान है। भाषा ही मनुष्य को संस्कार देती है। दुनिया का कोई भी व्यक्ति बिना भाषा-संस्कार के जीवन के व्यापक परिवेश को आत्मसात् नहीं कर सकता। जिस देश का भाषा-संस्कार व्यापक तथा सुदृढ़ होता है, वही देश आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से सर्वांगीण विकास करता है। राष्ट्रीय एकता को बनाये रखने में हिंदी **"वसुधैव कुटुम्बकम"** की भावना की ओर प्रेरित करती है। हिंदी संपूर्ण भारत की संपर्क भाषा है। देश की सामाजिक संस्कृति की उचित अभिव्यक्ति में हिंदी का स्थान सर्वोपरि है। भारत की एकजुटता के लिए हिंदी ने बहुत बड़ा ऐतिहासिक और सांस्कृतिक योगदान दिया है। हिंदी पूरे भारत की सांस्कृतिक एकता और सांस्कृतिक माध्यम की सशक्त कड़ी के रूप में विकसित हुई है।

जहाँ एक ओर जन-जन तक अपनी पहुँच बनाने के लिए डिजिटल मीडिया के लिए हिंदी एक आधारभूत आवश्यकता है, वहीं डिजिटल मीडिया हिंदी को विकसित भी कर रहा है तथा एक नया रूप भी दे रहा है। डिजिटल मीडिया से हिंदी भाषा की संप्रेषण क्षमता का बहुमुखी विकास हो रहा है। हमें भी सूचना प्रौद्योगिकी की सुविधाओं का भरपूर उपयोग करते हुए कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा के प्रयोग को और बढ़ाने की आवश्यकता है।

आइए, हिंदी दिवस के इस शुभ अवसर पर हम यह प्रतिज्ञा करें कि हम एक साथ मिलकर मन, वचन और कर्म से हिंदी के प्रचार-प्रसार में सक्रिय एवं सृजनात्मक सहयोग दें और डीएफसीसीआईएल के कार्यालयों में भारत सरकार की राजभाषा नीति का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित करें।

जय हिंद !

प्रवीण कुमार

(प्रवीण कुमार)